SWATANTRA BHARAT PAGE 2

एलयू में मनाया गया 101वां स्थापना दिवस

स्वतंत्र भारत,संवाददाता लखनऊ। लखनऊ यूनीवर्सिटी ने 101 साल पूरे कर लिए हैं। 101 वर्ष पूरे होने पर

लखनऊ विश्वविद्यालय में मनाया गया 101वां स्थापना दिवस

-चंदा जमा करके हुई थी लखनऊ विश्वविद्यालय की स्थापना

गुरुवार को विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाया गया। एलयू की स्थापना 25 नवंबर 1920 को हुई थी, वर्ष 1921 में यहां अध्यापन शुरु हो गया। 101 साल के इस सफर में विश्वविद्यालय में कई उतार-चढ़ाव हुए। विश्वविद्यायल के 101 वर्ष के सफर का हर पन्ना अपने साथ एक इतिहास को संजोए हुए है। अवध की आन और यूपी की शान कहे जाने वाले लखनऊ विश्वविद्यालय कई कर्मयोगियों की दीक्षा का केंन्द्र रहा है। पूर्व राष्टपति डॉ. शंकरदयाल शर्मा, पूर्व राज्यपाल सुरजीत सिंह बरनाला, हरीश रावत से लेकर कई बड़े नामचीन लोगों ने यहां से शिक्षा ग्रहण की है। मौजूदा समय में एलयू उत्तर प्रदेश का सबसे पुराना विश्वविद्यालय है।

वर्ष 1915 के आस-पास समय यह वह दौर था, जब शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव हो रहा था. उस समय इलाहाबाद विश्वविद्यालय हुआ करता था। अवध के ताल्लुकेदार चाहते थे कि लखनऊ में ही विश्वविद्यालय बने। तब राजा महमूदाबाद सर मोहम्मद अली मोहम्मद खान बहादुर ने विश्वविद्यालय की बुनियाद रखी। कहा जाता है कि यूनाईटेड प्रोविंस के लेफ्टिनेंट गवर्नर सर हरकोर्ट बटलर का शिक्षा की तरफ काफी रुझान था, राजा महमूदाबाद इस बात से वाकिफ थे। विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए राजा महमूदाबाद ने उस दौर के एक अंग्रेजी अखबार में लेख के माध्यम से अवध में विश्वविद्यालय की जरूरत पर जोर दिया। जिसके बाद 10 नवंबर 1919 को हुई एक बैठक में इसे आवासीय यूनिवर्सिटी बनाने का फैसला लिया गया. 12 अगस्त 1920 में 'लखनऊ विश्वविद्यालय बिल' कुंवर महाराजा सिंह द्वारा विधान परिषद में रखा गया। 8 अक्टूबर 1920 को इसे पारित कर दिया गया. उस समय राजा महमूदाबाद और जहांगीराबाद ने एक-एक लाख रुपये की धनराशि इसके निर्माण के लिए दी थी.

इलके अलावा विश्वविद्यालय के निर्माण के लिए ताल्लुकेदारों ने 30 लाख रुपये चंदा इकट्ठा किया था। जिसके बाद कैनिंग कॉलेज को विश्वविद्यालय बना दिया गया. इलाहाबाद विवि से रिटायर रजिस्ट्रार ज्ञानेंद्र नाथ चक्रवर्ती को यहां का पहला कुलपति बनाया गया था। 16 दिसंबर 1920 को 3,000 रुपये प्रतिमाह की तनख्वाह पर 5 वर्ष के लिए ज्ञानेंद्र नाथ चक्रवर्ती ने विश्वविद्यालय का कार्यभार संभाला. आगरा कॉलेज के मेजर टीएफओ डोनेल ने 1200 रुपये प्रति माह वेतन पर कुलसचिव पद की जिम्मेदारी संभाली. जिसके बाद एक जुलाई 1921 को विश्वविद्यालय का सत्र शुरू हुआ। विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षक प्रो. बीएन पुरी अपनी किताब 'हिस्ट्री ऑफ लखनऊ यूनिवर्सिटी' में इस विश्वविद्यालय के इतिहास के संजोया है. वह लिखते हैं, 1921 के मई-जून में लखनऊ विश्वविद्यालय के लिए बड़ी मुश्किल से बेहतरीन शिक्षकों की तलाश की गई. विश्वविद्यालय की पहली एकेडमिक कार्उंसल की बैठक 10 अगस्त 1921 में हुई. इसमें प्रो. राधा कमल मुखर्जी, प्रो. बीरबल साहनी जैसे दिग्गज शिक्षाविद थे।

प्रोफेसर में अंग्रेजी विभाग में सीजे ब्राउन व एचएस वॉकर, दर्शनशास्त्र में एमबी कॉमरून व जेजे कॉर्नेलियस, गणित में जेए स्ट्रेंग व लक्ष्मी नारायण, भौतिक विभाग में पुराने कैनिंग कॉलेज से डीबी देवधर को लिया गया.

अर्थशास्त्र में बीबी मुखर्जी, संस्कृत में केए सुब्रह्मण्यम अय्यर और रसायन विज्ञान में एसएम साने को बतौर रीडर जोड़ा गया.

इस काउंसलिग में मेडिकल कॉलेज का प्रतिनिधित्व लेफ्टिनेंट कर्नल एचआर नट (दोनों इंडियन मेडिकल सर्विसेज से थे) ने किया. जेजी मुखर्जी, रघुनंदन लाल, एसएस जफर खान, जेपी मोदी, डीडी पाण्डेय, और जीआर ताम्बे भी शामिल हुए. शुरुआती संकायों में कला, विज्ञान, वाणिज्य, मेडिसिन और विधि शामिल किए गए।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5 & 6

लविवि : दीक्षांत आज, आधा दर्जन योजनाओं का होगा लोकार्पण

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का 64वां दीक्षांत समारोह शुक्रवार को मालवीय सभागार में सुबह 11.20 बजे से आयोजित किया जाएगा। राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल समारोह की अध्यक्षता करेंगी जबकि उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा विशिष्ट अतिथि होंगे। समारोह में चांसलर गोल्ड मेडल एलएलबी ऑनर्स की स्वाति सिंह, चक्रवर्ती गोल्ड मेडल एलएलबी ऑनर्स के देवधर दुबे, कुलपति गोल्ड मेडल बीए के छात्र व एनसीसी कैडेट मितेंद्र श्रीवास्तव को दिया जाएगा। इनके अलावा मंच से 15 मेडल व डिप्लोमा सर्टिफिकेट दिए जाएंगे। समारोह में आधा दर्जन से अधिक योजनाओं का लोकार्पण भी होगा। साथ ही 60 आंगनबाड़ी केंद्रों को किट का वितरण भी किया जाएगा। विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह का समय एक बार फिर बदल गया है। अब दीक्षांत 11.20 से 12.50 बजे तक आयोजित किया जाएगा, जो पूर्व में सुबह 10 से 11.30 बजे तक प्रस्तावित था। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा दीक्षांत समारोह को देखते हुए शुक्रवार को क्लासेज स्थगित कर दी हैं। वहीं, समारोह का विश्वविद्यालय के अधिकृत यू-ट्यूब व फेसबुक पेज पर लाइन प्रसारण भी किया जाएगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि का अमेरिकी संस्था से एमओयू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने 101वें स्थापना दिवस पर बृहस्पतिवार को अमेरिकी संस्था मोंटगोमरी के साथ शैक्षिक आदान-प्रदान, बेहतर शोध, सांस्कृतिक संबंधों व अंतरराष्ट्रीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एमओयू किया। एमओयू पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व डॉ. मृणाल मुग्ध वर्मा वरिष्ठ कुलपति मोंटगोमरी, अलबामा संयुक्त राज्य औबर्न विश्वविद्यालय ने हस्ताक्षर किया। इस अवसर पर प्रो. सुधीर कुमार, डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन, डॉ. शैली मलिक, डॉ. शांता गोस्वामी वर्मा आदि उपस्थित थे। (माई सिटी रिपोर्टर)

लखनऊ विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह में बृहस्पतिवार को युवाओं ने कथक की मनमोहक प्रस्तुति के साथ फिल्मी गीतों पर डांस से लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। - संवाद

कथक, कॉमेडी और रूहानी बैंड ने यादगार बनाया समारोह

लविवि का 101वां स्थापना दिवस : छात्राओं के पहले बैंड का आगाज, युवाओं ने समां बांधा

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के 101वें स्थापना दिवस समारोह को युवाओं ने धमाकेदार प्रस्तुतियों से बृहस्पतिवार को यादगार बना दिया। मालवीय हॉल में आयोजित समारोह में युवाओं ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों से न सिर्फ मौजूद लोगों को झूमने पर मजबूर किया बल्कि अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन भी किया। कार्यक्रम के दौरान रह-रहकर हर-हर महादेव, जय श्रीराम व वंदे मोर, वंदे मोर के नारे गूंजते रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत छात्राओं के पहले बैंड 'रूहानी' के आगाज से हुआ। हाथों में इंस्ट्रूमेंट थामे छात्राओं के इस अनूठे बैंड ने धमाकेदार प्रस्तुतियां दी। बैंड ने 'ये रातें, ये मौसम, नदी का किनारा...' गाने से शुरुआत के बाद 'ओ रे पिया.....' गीत सुनाया तो युवाओं ने सुर से सुर मिलाए। तबले पर कृतिका, ड्रम पर अंशिका, सिंथेसाइजर पर वैभवी, गिटार पर इशिता खन्ना व आकांक्षा सिंह, हरमोनियम पर सीमोनी, मैंडोलिन पर इशिका, स्नेहा चौटाला, स्नेहा पांडेय, प्राजक्ता, श्रुति व सृष्टि सिंगर की भूमिका में थीं। इससे पहले कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। वहीं, संस्कृत के विद्यार्थियों ने पहली बार अपनी प्रस्तुति दी। श्रीलंकाई छात्र तीक्ष्वान लियांगे ने राम वंदना पर कथक व तराना की प्रस्तुति से खूब तालियां बटोरी। इसके बाद विद्यार्थियों ने फिल्मी गाने पर ग्रुप डांस व सिंगल डांस की प्रस्तुतियां भी दी। एमबीए के छात्रों ने जब मंच पर 'शकिमान' बनकर प्रस्तुति दी तो कोई भी खुद को हंसने से नहीं रोक सका। फनी डांस में उन्होंने एक के बाद एक फिल्मी गानों पर अपनी प्रस्तुति से सभी को खूब गुदगुदाया। वहीं, समापन अवसर पर लविवि के विद्यार्थियों के दोनों बैंड ने एक साथ प्रस्तुति दी। इस अवसर पर सांस्कृतिकी निदेशक प्रो. राकेश चंद्रा, एलयूमिनाई एसोसिएशन की अध्यक्ष प्रो. निशी पांडेय, डॉ. शेली मिश्रा व डॉ. प्रशांत शुक्ल ने युवाओं का उत्साहवर्धन किया।

लविवि के स्थापना दिवस पर बृहस्पतिवार को छात्राओं के 'रूहानी' बैंड ने जमाया रंग। - संवाद

पाक अधिकृत कश्मीर में न तो आजादी है न ही कोई अधिकार : दिनकर पी श्रीवास्तव

लखनऊ। पाक अधिकृत कश्मीर में न तो आजादी है न ही कोई अधिकार। यहां आज भी कराची, इस्लामाबाद का ही प्रभुत्व है। यहां के संविधान ने सारे अधिकार पाकिस्तान को ही दे रखे हैं, जिससे यहां के हालात में ज्यादा बदलाव नहीं आए हैं। यह कहना है लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र व ईरान, सऊदी अरब, इजिप्ट समेत आधा दर्जन देशों में भारत के राजदूत रहे दिनकर पी श्रीवास्तव का। वह बृहस्पतिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के 101वें स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने अपनी किताब 'फॉरगेटन कश्मीर' की चर्चा करते हुए कहा कि हमारा जम्मू-कश्मीर तो अक्सर उनके लिए चर्चा का विषय बना रहता है, लेकिन पीओके के बारे में कभी जानकारी नहीं आती है। वह हमेशा पर्दे के पीछे रहता है। इसे देखते हुए मैंने कुछ खास तथ्यों के आधार पर यह किताब लिखी है। मैं चाहूंगा कि कश्मीर के लोगों को भी पीओके का हाल बताया जाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. आलोक कुमार श्रीवास्तव ने सभी को 101वें स्थापना दिवस समारोह की शुभकामनाएं दी और विवि के विकास में सहयोगी बनने को कहा। लखनऊ यूनिवर्सिटी एलूमिनाई एसोसिएशन की अध्यक्ष प्रो. निशी पांडेय, डॉ. शेली मिश्रा व डॉ. प्रशांत शुक्ल ने युवाओं का उत्साहवर्धन किया।

समारोह में पूर्व राजदूत ने कहा- पीओके के संविधान की सारी शक्तियां पाक के पास, अपनी किताब फॉरगेटन कश्मीर पर भी की चर्चा

पुस्तक का विमोचन करते दिनकर पी श्रीवास्तव। संवाद

■ पुराने दोस्त और शिक्षक आए याद : दिनकर श्रीवास्तव ने 1976 में लविवि से एमए राजनीति विज्ञान में पढ़ाई की थी। आज अपने विश्वविद्यालय में आकर उनकी पुरानी यादें ताजा हो गईं। उन्होंने कहा कि उस समय मेट्रो नहीं थी, हम दोस्तों के साथ साइकिल से आते थे। प्रो. महाराजा विभागाध्यक्ष थे। इतना ही नहीं मेरे बाबा विश्वंभर नाथ श्रीवास्तव लॉ के डीन थे और बाद में राहर के मेयर भी बने। मुझे विदेश सेवा में जाने लायक इसी विश्वविद्यालय ने बनाया।

FIRST INDIA PAGE 3

FOUNDATION DAY

On the occasion of Lucknow University Foundation Day on Thursday, a gala cultural programme was organised in the premises where students enchanted the audience with their dance moves and musical presentations. Revered dignitaries like Dinkar P Srivastava, Rakesh Chandra, Alok Kumar Rai and Nishi Pandey were present on the occasion.

—PHOTOS BY ASHOK DUTTA

HINDUSTAN PAGE 6

● एलयू के स्थापना दिवस पर मौलाना के लेहजा ने रंग दंगल की प्रस्तुति से जीता सबका दिल। लखनऊवालों के चाहते हैं स्थानीय की प्रस्तुति भी इस अवसर पर आकर्षण का केंद्र बनी।

● एलयू के स्थापना दिवस पर हुईं विशेष प्रस्तुतियां ● पूर्व छात्र व कई देशों के राजदूत रह चुके दिनकर पी श्रीवास्तव को किया सम्मानित

रूढ़ियां तोड़कर युवाओं ने रची नई कहानियां

दो दिन उत्सव

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

शिक्षण संस्थानों की एक परम्परा रही है कि कोई भी कार्यक्रम शुरू होने से पहले लाल-सफेद कपड़ों में काली छाताएं बरसाती बंदना या सरस्वति वंदना प्रस्तुत करती हैं और छातों की बारिश में छात्र या शिक्षक होते हैं...गुजरात को इसे और ऐसी ही कई अन्य परम्पराएं भी लखनऊ विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह के मंच पर टूटीं और युवाओं ने यहां अपनी अलौकिक ऊर्जा से नए रिवाजों की शुरुआत की।

स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत यहां की गणेश वंदना से ही हुई लेकिन पुरुष कोई छात्रा नहीं बल्कि जोए तुलीप वर्मा का छात्र आर्य प्रस्तुत कर रहा था। उसके साथ सभागे पर मंच में बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा मृदिका थी। वहीं पिटार पर शासंक ने और गणेश वंदना "जय देव" व "देवा श्रीगणेशा" को स्वर दिए आसीन, वैभव, प्रशांत, अंशिका, मृदुला, बेसवरी और बेला सिंह ने। अपनी विशेष प्रस्तुति थी संस्कृत का गीत, "गगन सुशोभा त्रिभव मनोज्ञा, ललिता त्रिया स्वर्णभा...अनुरवाणी संस्कृत भाषा, नैय किन्ता न च कठिना..."। यह गीत उस दौर की याद सामित करने के लिए था कि संस्कृत केवल वेदों की या आचार्यों की भाषा है। गीत के जरिए संस्कृत विभाग के छात्र-छात्राओं ने यह संदेशदिया कि संस्कृत बोलचाल की भाषा भी हो सकती है।

101 वें स्थापना दिवस पर एलयू में गीत-संगीत की मोहित लड़ी

मेडलों और पैरेडी में दिखी गजब की ऊर्जा

प्रस्तुतियों के क्रम में छात्राओं ने बॉलीवुड के आज सबसे पर बेहतरीन मेडले प्रस्तुत किया। सारे गाने ऐसे थे जिन्हाए हाल करने के लिए ढेर सारी ऊर्जा की जरूरत थी और छात्राओं ने अपनी प्रस्तुति से यह साबित भी किया कि वे किसी से कम नहीं हैं।

लखनऊ यूनिवर्सिटी में स्थापना दिवस पर गुरुवार को पूर्व छात्र एवं कई देशों में राजदूत रहे दिनकर श्रीवास्तव का सम्मान करते वीसी आलोक कुमार राय, एलूमिनाई एसोसिएशन की अध्यक्ष प्रो. निशि पांडेय और सांस्कृतिकी निदेशक प्रो. राकेश चन्द्रा।

एएन रिजोल्यूशन का पाक ने उल्लंघन किया: दिनकर

मुख्य अतिथि बोले

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आए पूर्व राजनयिक व लविवि के पूर्व छात्र दिनकर पी श्रीवास्तव का यहां सम्मान किया गया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, एलूमिनाई एसोसिएशन की अध्यक्ष प्रो. निशि पांडेय और सांस्कृतिकी निदेशक प्रो. राकेश चन्द्रा ने उन्हें सम्मानित किया।

कार्यक्रम में दिनकर श्रीवास्तव ने अपनी किताब "फॉरगेटन कश्मीर: दि अदर साइड ऑफ दि लाइन ऑफ कन्ट्रोल" पर बात की। उन्होंने कहाकि किताब में जिन तथ्यों का समावेश किया गया है, उनके मुताबिक पाकिस्तान जिस एएन रिजोल्यूशन की दुहाई देता रहा है, वर्तमान वहां ही उल्लंघन में लगा है। किताब इस बात में है कि कैसे कश्मीरी आजादी की बात करके, अपने हिस्से के कश्मीर को उसने खुद ही भुला दिया।

रामवंदना के सुर

तीक्ष्णा ने मोह मना

भाषणों को लेकर भी हमेशा से यही सोच रही है कि वह लड़कियों का क्षेत्र है। इस परिपाटी को तोड़ा एना एलूमिना के छात्र दीक्षा ने। मौलाना के तौकत आईसीडीआर करती है। उन्होंने समापन पर धार्मिक भावनाएं प्रस्तुत कर, सभी को मोहित कर दिया।

रूह में रूहानी

आधी आबादी का जलवा

छात्राओं द्वारा बनाया बैंड 'रूहानी' पहली बार मंच पर था। तबले पर कृतिका, ड्रम पर अंशिका, गिटार पर इशिता खन्ना व आकांक्षा सिंह, सिंथेसाइजर पर वैभवी और सीमोनी थी, मैंडोलिन पर इशिका थी, हारमोनियम पर सीमोनी थी, सिंथेसाइजर पर वैभवी और सीमोनिस थी स्नेहा चौटाला, स्नेहा पांडेय, प्राजक्ता, श्रुति, सृष्टि। बैंड ने दो गाने ये मौसम नदी का किनारा.... जो रे पिया.... मस्त मलंग.... जैसे कई गाने प्रस्तुत किए।

दीक्षांत समारोह आज

मंच पर जगमगाएगी मेधा

लखनऊ विश्वविद्यालय में शुक्रवार को 64वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाएगा। जिन मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडल दिए जा रहे हैं, उनमें कोई शिक्षण प्रशिक्षण का धनी है तो कोई गुदड़ी का लाल। किसी ने कोविड की दुश्वारियों को दरकिनार कर खुद का मुकाम बनाया तो किसी ने आर्थिक संकट का सामना किया।

आयोजन

11:20 बजे शुरू होगा कार्यक्रम

● कार्यक्रम व छात्राओं गोल्ड मेडल समेत कुल 15 मेडल बांटे जाएंगे। इनमें 180 मेडल का वितरण भी किया जाएगा होगा।

राज्यपाल करेंगी अध्यक्षता, विशिष्ट अतिथि दिनेश शर्मा

दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल करेंगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. दिनेश शर्मा मौजूद रहेंगे और अतिथियों का स्वागत अतिथि की और से कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय करेंगे। दीक्षांत समारोह में विवि के शिक्षकों द्वारा लिखी गई किताबों का विमोचन होगा। एप्लीकेशनोजी विभाग के टूडइस म्यूजियम व लखनऊ विवि के पेप का लोकार्पण भी किया जाएगा।

मेधावी बोले

लवी शुक्ला: एक साथ चमकेंगे 12 मेडल

लखीमपुर की लवी ने एलयू से बीएससी, एमएससी किया है। मंगल की छात्र ओरंगजेब टीएच है, इन्हें चांसलर मिलकर के साथ 12 मेडल मिलेंगे। जिस राजय का किसान है व वह अधिक सुकून महसूस है। लवी यूपीएससी की तैयारी कर रही है। लवी आर्थिक संकट से जूझ रहे सभी की मदद करना चाहती है।

चांसलर मेडल

अभावों में चमके

विनय कुमार: पढ़ाई के साथ काम भी किया

बीएचयू अंतिम वर्ष के छात्र बिना मदद के हैं और किसान सिकन्दर सिंह के बेटे हैं। वह साहिसी कर-ग्रजुएशी देखती है। विनय ने बीएचयू की पढ़ाई के दौरान घर के कामकाजों में दिक्कतबारी और आपदेशी का काम भी किया। वह सिलेबस का हिसाब था और जमकर भी व्यक्ति पढ़ाई के लिए लिया लोन भी चुकाया था।

चांसलर मेडल

इकरा रिजवान: दिक्कतें थीं लेकिन रुकी नहीं

इकरा रिजवान कानपुरी बीए अंतिम वर्ष की छात्रा है। इन्टिग्रल नगर में रहने वाली इकरा के पिता रिजवान मजदूर करते हैं। घर की हालत बहुत अच्छी नहीं है लेकिन इससे इकरा ने कभी अपनी पढ़ाई पर असर नहीं पड़ने दिया, उसकी मां सायरा ने उसका हौसला बढ़ाया। इकरा अपने बराबर चौराहों वाले रोशन करना चाहती है।

चांसलर मेडल

दिशा मिश्रा: कोविड ने पढ़ाई प्रभावित की

अमेठी की दिशा बीकॉम का तीसरा है। अंतिम वर्ष की छात्रा दिशा के पिता मनोज पांडेय में मेहनती कराते हैं। वह अधिक पढ़ाई में उनके लिए पढ़ाई बहुत मुश्किल हो गई थी। ऑनलाइन सत्रयुक्त सम्मानों इतना आसान नहीं था।

चांसलर मेडल

PIONEER PAGE 3 & 4

एलयू में मनाया गया स्थापना दिवस

पकिस्तान ने यूएन रिजोल्यूशन का हमेशा उल्लंघन किया:दिनकर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लविवि का 101वां स्थापना दिवस समारोह गुरुवार को मनाया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की कड़ी में एमबीए की छात्राओं ने बॉलीवुड के डांस नम्बरों पर बेहतरीन परिडो और मैडले प्रस्तुत किया। यह गीत ऐसे थे जिन पर डांस करने में काफी शक्ति की जरूरत होती है। हालांकि इन छात्राओं अपने डांस से यह साबित कर दिया कि वह भी किसी से कम नहीं हैं। उंडर सेनेरोग्रेजेशन सेल की और लविवि की छात्राओं द्वारा बनाया गया बैंड रूहानी ने मंच पर पहली बार प्रस्तुती दी। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आए पूर्व राजनयिक और लविवि के पूर्व छात्र दिनकर प्रकाश श्रीवास्तव को सम्मानित भी किया गया। उन्हें समारोह के अध्यक्ष और लविवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय, एलुमिनाई एसोसिएशन की अध्यक्ष प्रो निशि पांडेय ने सम्मानित किया। दिनकर

ने बताए भारतीय राजदूत ईरान, मिस्र ईस्ट, यूएसए, यूरोपियन यूनियन, पाकिस्तान आदि देशों में सेवा दी है। दिनकर श्रीवास्तव ने अपनी किताब फॉरगेटन कश्मीर दि अदर साइड ऑफ द लाइन ऑफ कन्ट्रोल पर बात की।

उन्होंने कहा कि किताब में शामिल तथ्यों पर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे कश्मीर की आजादी की बात करके, अपने हिस्से के कश्मीर को पाकिस्तान ने खुद ही भुला दिया और वहां के लोगों को भी धोखा दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान जिस यूएन रिजोल्यूशन की हमेशा दुहाई देता रहा है वह हमेशा खुद ही उसका उल्लंघन भी करता है। लविवि के पूर्व छात्र रहे दिनकर प्रकाश श्रीवास्तव ने विद्यार्थी जीवन की याद करते हुए कहा कि कुछ भी भुला नहीं हूं। सन 1975-76 में लविवि के राजनीति शास्त्र विभाग में एमए का छात्र था। दरअसल गुजरे गए दुनिया भूमा कई देशों में रहा लेकिन यहां गुजरे गए पल को कहीं से कोई जोड़ नहीं। उन्होंने बताया कि उनके दादाजी, विश्वम्भर नाथ श्रीवास्तव, 40 के दशक में देश विभाजन से पहले लविवि के विधि विभाग के डीन थे और वह पाकिस्तान बनने से पहले लखनऊ के मेयर भी रहे और यहां महिला हिंदी कॉलेज की नींव रखी। वह 21 साल तक इस कॉलेज के संस्थापक अध्यक्ष रहे। बाद में उनके पिता दयानन्द श्रीवास्तव भी कॉलेज की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रहे।

संपर्क और सहयोग के लिए एमओयू

लखनऊ। मोंटगोमरी, अलबामा, यूएसए और लखनऊ विश्वविद्यालय के बीच एक एमओयू साइन किया गया। इसके जरिए अकादमिक उत्कृष्टता, अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान और विकास, छात्रों के लिए शिक्षा, संकाय को मजबूत किया जाएगा। कर्मचारी, क्रॉस-सांस्कृतिक संबंध को बढ़ावा दिया जाएगा। लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और डॉ. मृणाल मुग्ध वर्मा प्रोवोस्ट, वरिष्ठ कुलपति, मोंटगोमेरी, अलबामा, संयुक्त राज्य औबर्न विवि, अमेरिका द्वारा हस्ताक्षरित एमओयू दोनों यूनिवर्सिटी के संकाय के बीच सीधे सम्पर्क और सहयोग को प्रोत्साहित करेगा. इस अवसर पर प्रो. सुधीर कुमार चंओडी प्राणी विज्ञान विभाग, प्रो. पूनम टंडन डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर, डॉ. शैली मलिक उपस्थित रहे.

i-NEXT PAGE 5

एलयू और अलबामा यूनिवर्सिटी में एमओयू

LUCKNOW (25 Nov): मोंटगोमरी, अलबामा, यूएसए और लखनऊ यूनिवर्सिटी के बीच एक एमओयू साइन किया गया. इसके जरिए अकादमिक उत्कृष्टता, अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान और विकास, छात्रों के लिए शिक्षा, संकाय को मजबूत किया जाएगा. साथ ही कर्मचारी, क्रॉस.सांस्कृतिक संबंध छात्रों और शिक्षकों का दौरा और आदान-प्रदान व अंतरराष्ट्रीय समझ को बढ़ावा दिया जाएगा. एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय और डॉ. मृणाल मुग्ध वर्मा प्रोवोस्ट और सीनियर वीसी मोंटगोमेरी अलबामा, यूएसए, औबर्न यूनिवर्सिटी अमेरिका द्वारा हस्ताक्षरित एमओयू दोनों यूनिवर्सिटी के संकाय के बीच सीधे सम्पर्क और सहयोग को प्रोत्साहित करेगा. इस अवसर पर प्रो. सुधीर कुमार चओडी प्राणी विज्ञान विभाग, प्रो. पूनम टंडन डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर, डॉ. शैली मलिक उपस्थित रहे.

एलयू का 64 वां दीक्षांत समारोह आज

35 हजार स्टूडेंट्स को मिलेगी डिग्रियां

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लविवि का 64 वां दीक्षांत समारोह शुक्रवार को सम्पन्न होगा। मालवीय सभागार में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम पहले सुबह दस बजे से शुरू होना था पर संविधान दिवस कार्यक्रम के लाइव प्रसारण के कारण इसके समय में बदलाव किया गया है। अब यह कार्यक्रम सुबह 10 बजे के स्थान पर 11.20 बजे से शुरू होगा। दीक्षांत समारोह में चीफगेस्ट के तौर पर कुलाधिपति व स्टेट के राज्यपाल आनंदीबेन पटेल होंगी। वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा शामिल होंगे। दीक्षांत समारोह में मंच पर 15 मेडल और डिग्री दी जाएगी। परीक्षा नियंत्रक प्रो एएम सक्सेना ने बताया कि जिन 35 हजार स्टूडेंट्स की डिग्रियां उनके घर भेजी जाएंगी इसकी प्रक्रिया दीक्षांत के तुरंत बाद शुरू हो जाएगी। इस बार चांसलर गोल्ड मेडल फाइव इयर लॉ आनर्स फाइनल इयर की छात्रा स्वाति सिंह को मिलेगा। वहीं डॉ चक्रवर्ती गोल्ड मेडल के लिए फाइव इयर लॉ आनर्स 9 वें सेमेस्टर के स्टूडेंट देवधर दुबे और वाइस चांसलर गोल्ड मेडल बेस्ट एनसीसी कैडेट मोतेंद्र श्रीवास्तव को दिया जाएगा। इसके अलावा दो चांसलर सिल्वर मेडल पीजी के सभी संकायों के स्टूडेंट्स में बेस्ट छात्रा और यूनिवर्सिटी की बेस्ट वूमेन स्टूडेंट लवी शुक्ला को मिलेगा। इसके अलावा 10 टॉपर्स को चांसलर ब्रांच मेडल से सम्मानित किया जाएगा। वहीं शेष 188 मेडल विभागों के लेवल पर वितरित किया जाएगा। इस बार दीक्षांत में पहली बार बोटेक के पहले बैच को डिग्री दी जाएगी। इसके लिए यूनिवर्सिटी की तरफ से डीन लॉ प्रो सीपी सिंह को अधिकृत किया गया है।

पहले ट्राइबल म्यूजियम का भी होगा उद्घाटन

64वें दीक्षांत समारोह के विशेष आकर्षण में से एक यहां बनाया गया ट्राइबल म्यूजियम होगा। रजिस्ट्रार डॉ विनोद कुमार सिंह ने बताया कि इस विशेष संग्रहालय का लोकार्पण दीक्षांत समारोह में होना है। एंथ्रोपोलॉजी विभाग में बनाए गए इस संग्रहालय में प्रदेश की आदिवासी जनजातियों से जुड़ी चीजें रखी गई हैं। यह प्रदेश में बनने वाला पहला आदिवासी संग्रहालय होगा। इस संग्रहालय में थारू व अन्य 18 जनजातियों के जीवन, उनकी संस्कृति, वेशभूषा, खानपान आदि को दर्शाती कई चीजें इस संग्रहालय में रखी जा रही हैं। लोकार्पण के बाद छात्रों के अलावा अन्य लोग भी इसे देख सकेंगे।

{ 101ST FOUNDATION DAY }

LU walks a glorious path towards a new century

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: With its 101st foundation day event on Thursday, the Lucknow University stepped into another century, cherishing its glorious past with its alumni and showcasing its potential through current students.

Former student of the university and 1978 batch Indian Foreign Services officer Dinkar P Srivastav, who retired as the ambassador to the Islamic Republic of Iran, was invited as the chief guest at the event.

"The foundation of whatever I have achieved in life was laid in this institution. The lessons of life that I learnt here continue to guide me to this day," said Srivastav.

Srivastav served as the Indian ambassador to the Czech Republic, Libya, and as India's high commissioner to Malta. He is also the president of the LU Alumni Association.

In his address, vice chancellor of Lucknow University Alok Kumar Rai said," An educational institution is known by its students and alumni. The Lucknow University has glorious alumni and we believe that our students will continue to make us proud."

Founded on November 25, 1920, the Lucknow University has completed 100 years of its existence. "It is our shared responsibility to conserve and cherish the glorious past of the university. All of us must strive to take this institution to new heights," said the VC.

In an auditorium (Malviya Hall) packed with audience, there were some outstanding cultural performances curated by the Sanskritiki. Theekshana Liyanage, a student from Colombo, a student of MA (education), performed Ram Vandana and tarana.

The performance of the university's first all girls' band Roohani at the end was the show-stopper.

(Clockwise from top) Lucknow University's all-girl musical band 'Roohani' performing during the event; LU alumni Dinkar P Srivastava being felicitated by LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai; spectators enjoying the performances and a student performing during the foundation day ceremony of Lucknow University at Malviya hall in Lucknow, on Thursday. DEEPAK GUPTA/

PICS: DAINIK JAGRAN-I NEXT

● पुस्तिका का किया गया विमोचन.

● रूहानी बैंड ने बांधा समां.

यादों के पन्ने पलटे तो खूब निकलीं रोचक दास्तां

लखनऊ यूनिवर्सिटी के 101वें स्थापना दिवस पर दिनकर प्रकाश श्रीवास्तव ने साझा की यादें

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (25 Nov): लखनऊ यूनिवर्सिटी के 101वें स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत गणेश वंदना से हुई. इसके बाद मालवीय सभागार संस्कृत गीत सरस सुबोधा विश्व मनोज्ञा, ललिता विद्या रमणीया, अमृतवाणी संस्कृत भाषा नैव क्लिष्टा न च कठिना... से गूंज उठा. वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की कड़ी में एमबीए की छात्राओं ने बॉलीवुड गीतों पर डांस और पैरोडी प्रस्तुत की. वहीं कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में यूनिवर्सिटी पहुंचे एलयू के पूर्व छात्र और पूर्व राजनयिक दिनकर प्रकाश श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया.

वीसी ने किया सम्मान

दिनकर प्रकाश श्रीवास्तव को समारोह के अध्यक्ष और यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. आलोक कुमार राय, एल्युमिनाई एसोसिएशन की अध्यक्ष प्रो. निशि पांडेय और सांस्कृतिकी निदेशक प्रो. राकेश चन्द्रा ने सम्मानित किया. मुख्य अतिथि दिनकर ने बतौर भारतीय राजदूत ईरान, मिडल ईस्ट, यूएसए, यूरोपियन यूनियन, पाकिस्तान आदि देशों में अपनी सेवाएं दी हैं.

पाकिस्तान पर किया तंज

कार्यक्रम में दिनकर श्रीवास्तव ने अपनी किताब फॉरगॉटेन कश्मीर द अदर साइड ऑफ द लाइन ऑफ कंट्रोल पर बात की. उनके बताया कि किताब इस बारे में है कि कैसे कश्मीर की आजादी की बात करके, अपने हिस्से के कश्मीर को पाकिस्तान ने खुद ही भुला दिया और वहां के लोगों को धोखा दिया.

दादाजी ने महिला कॉलेज की रखी थी नींव

दिनकर प्रकाश श्रीवास्तव ने विद्यार्थी जीवन की याद करते हुए कहा कि मैं कुछ भी भूला नहीं हूं. आज भी लखनऊ यूनिवर्सिटी वैसी ही है, जैसे मेरे समय में थी. सत्र 1975.76 में लखनऊ यूनिवर्सिटी के राजनीति शास्त्र विभाग में एमए का छात्र था. उन्होंने बताया कि उनके दादाजी, विशम्भर नाथ श्रीवास्तव 40 के दशक में देश विभाजन से पहले लखनऊ यूनिवर्सिटी के लॉ विभाग के डीन थे और वह पाकिस्तान बनने से पहले लखनऊ के मेयर भी रहे और यहां महिला डिग्री कॉलेज की नींव रखी. वह 21 साल तक इस कॉलेज के संस्थापक अध्यक्ष रहे. बाद में उनके पिता दयानन्द श्रीवास्तव भी कॉलेज की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रहे.

● स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत गणेश वंदना से हुई.

● स्टूडेंट्स ने दिखाई अपनी प्रतिभा.

रूहानी के सुर लोगों के रूह में उतरे

लखनऊ यूनिवर्सिटी की छात्राओं द्वारा बनाया गया बैंड रूहानी ने मंच पर पहली बार प्रस्तुती दी. बैंड के गीत श्मस्त मलंग, ओ रे पिया और ये रातें ये मौसम नदी का किनारा, जैसे कई गानों पर युवाओं को झूमने पर मजबूर कर दिया. तबले पर कृतिका, ड्रम पर अंशिका, सिंथेसाइजर पर वैभवी, गिटार पर इशिका खन्ना व आकांक्षा सिंह, मैंडोलिन पर इशिका नारायण, हारमोनियम पर सीमांती बी.

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्टूडेंट्स ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया.

लखनऊ यूनिवर्सिटी का 64वां दीक्षांत समारोह आज

आज 35 हजार स्टूडेंट्स को डिग्री का सम्मान

अब सुबह 10 बजे नहीं 11:20 पर होगा कार्यक्रम का शुभारंभ

LUCKNOW (25 Nov): लखनऊ यूनिवर्सिटी के 64वें दीक्षांत समारोह का आयोजन शुक्रवार को मालवीय सभागार में होगा. दीक्षांत समारोह की टाइमिंग में अब लाइव टेलीकास्ट के कारण परिवर्तन कर दिया गया है. पहले कार्यक्रम सुबह 10 बजे शुरू होना था, वहीं अब दीक्षांत समारोह सुबह 11 बजकर 20 मिनट पर शुरू होगा. इस संबंध में लखनऊ यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह ने लेटर जारी कर दिया है. दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कुलाधिपति एवं गवर्नर आनंदीबेन पटेल शामिल होंगी. वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा मौजूद रहेंगे.

मंच पर 15 को मिलेगा मेडल

इस बार दीक्षांत समारोह में मंच पर 15 मेडल और डिग्री दी जाएंगी. एग्जाम कंट्रोलर प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि 35 हजार स्टूडेंट्स की डिग्रियां उनके घर भेजी जाएंगी, इसकी प्रक्रिया दीक्षांत के तुरंत बाद शुरू हो जाएगी.

प्रमुख मेडल पर एक नजर

- चांसलर गोल्ड मेडल, फाइव इयर लॉ (आनर्स) फाइनल इयर की स्वाति सिंह को मिलेगा.
- चक्रवर्ती गोल्ड मेडल, फाइव इयर लॉ (आनर्स) 9वें सेमेस्टर के देवघर दुबे को.
- वाइस चांसलर गोल्ड मेडल, बेस्ट एनसीसी कैडेट मीतेंद्र श्रीवास्तव को दिया जाएगा.
- बेस्ट वूमेन स्टूडेंट का सम्मान लवी शुक्ला को दिया जाएगा.

15 मेडल दिए जाएंगे मंच से | **188** मेडल विभाग स्तर से मिलेंगे

नोट- 10 टॉपर्स को चांसलर ब्रांज मेडल से सम्मानित किया जाएगा और 188 मेडल विभाग स्तर पर दिए जाएंगे.

म्यूजियम में बारू व अन्य 18 जनजातियों के जीवन, संस्कृति, वेशभूषा, खानपान आदि को दर्शाती कई चीजों को रखा गया है. लोकार्पण के बाद आम जनता भी इसे देख सकेगी.

बीटेक स्टूडेंट्स को पहली बार मिलेंगी डिग्रियां

लखनऊ यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में पहली बार बीटेक के पहले बैच के स्टूडेंट्स को डिग्री प्रदान की जाएगी. इसके लिए यूनिवर्सिटी की तरफ से डीन लॉ प्रो. सीपी सिंह को अधिकृत किया गया है. यूनिवर्सिटी के परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि इंजीनियरिंग संकाय के तहत बीटेक के पांच कोर्स यूनिवर्सिटी में चलाए जाते हैं, सभी कोर्सों में 60 सीटें हैं.

ट्राइबल म्यूजियम का भी होगा उद्घाटन

दीक्षांत समारोह का मुख्य आकर्षण यहां बनया गया ट्राइबल म्यूजियम होगा. यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि इस विशेष संग्रहालय का लोकार्पण दीक्षांत समारोह के दौरान किया जाना है. एंथ्रोपोलॉजी विभाग में बनाए गए इस संग्रहालय में प्रदेश की आदिवासी जनजातियों से जुड़ी वस्तुएं रखी गई हैं और यह प्रदेश में बनने वाला पहला आदिवासी संग्रहालय है.

437 पन्नों की किताब से पाकिस्तान बेनकाब

लखनऊ विश्वविद्यालय के 101वें स्थापना दिवस पर पाकिस्तान बना मुद्दा, दिनकर पी. श्रीवास्तव रहे मुख्य अतिथि

लखनऊ विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि दिनकर पी. श्रीवास्तव को सम्मानित करते कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ● जागरण

समारोह में प्रस्तुति देती रूहानी बैंड की सदस्य ● जागरण

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) के 101वें स्थापना दिवस पर पूर्व छात्र व पूर्व राजदूत दिनकर पी. श्रीवास्तव ने कहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में न ही आजादी है और न ही स्वायत्तता है। वहां शुरुआत से कठपुतली और इस्तामाबाद का प्रभुत्व रहा। 27 वर्षों तक वहां एग्जीक्यूटिव आदेशों के बलबूते ही सरकार रही है।

जो संविधान बना है, उसने पाकिस्तान के प्रभुत्व को और मजबूत बना दिया। वहां सभी अधिकार पाकिस्तान के ही हाथ में हैं। जम्मू-कश्मीर हमेशा से ही चर्चा का विषय रहा है, वहां के बारे में कई तरह की धारणाएं हैं, मगर उस खेने में क्या चलता रहा, यह सच कभी सामने नहीं आया, क्योंकि पाकिस्तान ने उसे हमेशा पर्दे के पीछे रखा। लखनऊ विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि दिनकर पी. श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया। इस मौके पर विश्वभर में खलबली मचाने वाली उनकी फॉरगॉटन कश्मीर नाम की पुस्तक पर चर्चा हुई। 437 पन्नों वाली इस किताब में उन्होंने पाकिस्तान को पूरी तरह से बेनकाब किया है। दिनकर पी. श्रीवास्तव ने कहा कि अंदरूनी सच को उजागर करने के लिए ही यह किताब लिखनी पड़ी। सबसे अहम यह है कि इस किताब में लिखे गए सभी तथ्य पाकिस्तान, यूएन व अंतरराष्ट्रीय सूत्रों के जरिए ही उपलब्ध कराए गए हैं। महज तीन से चार सूत्र ही भारत के हैं। इसलिए पुस्तक में लिखे किसी भी तथ्य को पाकिस्तान चैलेंज नहीं कर सकता, क्योंकि तथ्य तो पाकिस्तान से ही मिले हैं। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विश्वविद्यालय के नए छात्रों को पूर्व छात्रों की तरह बनने का सुझाव दिया।

स्थापना दिवस समारोह में उपस्थित लोग ● जागरण

सम्मान समारोह के बाद विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इसमें प्रमुख आकर्षण का केंद्र श्रीलंकन छात्र तीक्षना की राम स्तुति रही। इस दौरान जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल की ओर से रूहानी बैंड की शुरुआत की गई, जिसने अपने शानदार प्रदर्शन से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके साथ-साथ रूबरू बैंड, गणेश वंदना, छात्राओं की नृत्य प्रस्तुति एवं एमबीए के विद्यार्थियों ने परिसर में छात्र जीवन पर एक मनोरंजक नृत्य प्रस्तुत किया। इस मौके पर प्रो. निशी पांडेय, राकेश चंद्रा, डा. प्रशांत शुक्ल एवं डा. रोली मिश्र समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

लवि का दीक्षा समारोह आज, समय बदला

संविधान दिवस के सजीव प्रसारण के कारण अब सुबह 11.20 बजे शुरू होगा आयोजन, कुलसचिव ने जारी किया पत्र

जागरण, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) के 64वें दीक्षा समारोह का आयोजन शुक्रवार को मालवीय सभागार में होगा। 26 नवंबर को संविधान दिवस कार्यक्रम के सजीव प्रसारण के कारण दीक्षा समारोह के समय में थोड़ा बदलाव किया गया है। अब यह कार्यक्रम सुबह 10 बजे के स्थान पर 11.20 बजे से शुरू होगा। इसलिए अतिथियों को सुबह 10.30 बजे तक स्थान ग्रहण करना होगा। गुरुवार को कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने इस संबंध में पत्र जारी कर दिया। दीक्षा समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल करेंगी। उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा विशिष्ट अतिथि होंगे।

इन्हें मिलेंगे मेडल : समारोह में मंच पर कुल 15 मेडल दिए जाएंगे। इस बार चांसलर गोल्ड मेडल पांच वर्षीय एलएलबी (आनर्स) फाइनल इयर की छात्रा स्वाति सिंह को मिलेगा। वहीं, डा. चक्रवर्ती गोल्ड मेडल के लिए पांच वर्षीय एलएलबी (आनर्स) 9वें सेमेस्टर के छात्र देवधर दुबे और वाइस चांसलर गोल्ड मेडल बेस्ट एनसीसी कैडेट मीतेंद्र श्रीवास्तव को दिया जाएगा। दो चांसलर सिल्वर मेडल पीजी के सभी संकायों के विद्यार्थियों में बेस्ट छात्रा और विश्वविद्यालय की बेस्ट वूमेन स्टूडेंट लवी शुक्ला को मिलेगा। 10 मेधावियों को चांसलर ब्रांज मेडल से सम्मानित किया जाएगा। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि स्नातक व परास्नातक अंतिम वर्ष के 30 हजार विद्यार्थियों को डिग्रियां दी जाएंगी। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की डिग्रियां डाक से घर भेजी जाएंगी। वहीं, कालेजों की डिग्रियां उनके पास दी जाएंगी।

दो छात्रों को पीजी डिप्लोमा : समारोह में नई शिक्षा नीति के अंतर्गत शुरू हुए पीजी पाठ्यक्रम में दो छात्रों को डिप्लोमा भी दिया जाएगा। इनमें बायोकेमिस्ट्री विभाग के छात्र मोहम्मद खलिद जमाली एवं बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग के मोहित पुनेठा शामिल हैं। दोनों वे पहले छात्र हैं, जो नई शिक्षा नीति की इस व्यवस्था का लाभ उठाते हुए एक वर्ष की पढ़ाई पूरी करने के बाद अपने विभाग से पीजी डिप्लोमा का प्रमाणपत्र ले रहे हैं।

यूएसए के औबर्न विश्वविद्यालय और लवि के बीच एमओयू

जागरण, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) और यूएसए के औबर्न विश्वविद्यालय मोंटगोमेरी, अलबामा के बीच गुरुवार को एमओयू हुआ।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और औबर्न विश्वविद्यालय के वरिष्ठ कुलपति डा. मृणाल मुरुष वर्मा ने एमओयू पर विधिवत हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. राय ने बताया कि इससे विद्यार्थियों की अकादमिक उत्कृष्टता, अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान और विकास, शिक्षा, संकाय को मजबूत किया जा सकेगा। साथ ही सांस्कृतिक संबंध और अंतर्राष्ट्रीय समझ को भी बढ़ावा मिलेगा। दोनों विश्वविद्यालयों के संकाय के बीच सीधे संपर्क और सहयोग भी बनेगा।

छात्राओं के रूहानी बैंड से झूमा विश्वविद्यालय

लविवि की स्थापना दिवस पर सम्मानित किए गए छह देशों में भारत के राजदूत रहे दिनकर पी. श्रीवास्तव

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय में बुहस्पतिवार को 101वें स्थापना दिवस पर लखनऊ विश्विद्यालय ने अपने पूर्व छात्र दिनकर पी. श्रीवास्तव को सम्मानित किया। दिनकर ने छह देशों में भारत के राजदूत की भूमिका का नेतृत्व किया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने की। दिनकर पी. श्रीवास्तव को प्रो. आलोक राय, लविवि एल्युमिनाई एसोसिएशन की अध्यक्ष प्रो. निशि पांडेय तथा सांस्कृतिकी निदेशक प्रो. राकेश चन्द्रा ने उन्हें सम्मानित किया।

कार्यक्रम में दिनकर पी. श्रीवास्तव ने अपनी किताब "फॉरगॉटेन कश्मीर : दि अदर साइड ऑफ दि लाइन ऑफ कन्ट्रोल" पर बात की। उन्होंने कहा कि किताब में जिन तथ्यों का समावेश किया गया है, उनके मुताबिक पाकिस्तान जिस यूएन रिजॉल्यूशन की हमेशा दुहाई देता रहा है, हमेशा खुद ही उसका उल्लंघन भी करता है।

- ■ लविवि के पूर्व छात्र दिनकर पी. श्रीवास्तव रह चुके हैं कई देशों के राजदूत
- ■ ऑल गर्ल्स बैंड 'रूहानी' की लॉन्चिंग

तीक्षना की राम स्तुति रही। इस अवसर पर जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल की ओर से विश्वविद्यालय की छात्राओं द्वारा बनाए गए रूहानी बैंड का भी आगाज हुआ, जिसने प्रदर्शन से सबको मंत्र मुग्ध कर दिया।

इसके साथ-साथ रूबरू बैंड, गणेश वंदना, लड़कियों की नृत्य प्रस्तुति एवं एमबीए के छात्र-छात्राओं ने परिसर में छात्र जीवन पर एक मनोरंजक नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन राकेश चंद्र, डा. प्रशांत शुक्ल एवं रोली मिश्र ने किया। इस मौके पर लविवि के शिक्षकगण, छात्र, छात्राओं ने शिरकत की।

लविवि का दीक्षांत समारोह आज

राज्यपाल करेंगी समारोह की अध्यक्षता

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय में शुक्रवार को 64वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाएगा। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल करेंगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में डा. दिनेश शर्मा मौजूद रहेंगे तथा अतिथियों का स्वागत लविवि की ओर से कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय करेंगे। दीक्षांत समारोह में विवि के शिक्षकों द्वारा लिखी गई किताबों का विमोचन होगा, साथ ही एन्थ्रोपोलॉजी विभाग के ट्राइबल म्यूजियम व लखनऊ विवि के ऐप का लोकार्पण भी किया जाएगा। इस बार लखनऊ विवि के जिन मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडल दिए जा रहे हैं, उनमें से कई विलक्षण प्रतिभा का धनी है।

101 वर्ष का हुआ एलयू, मना स्थापना दिवस

छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर रचा इतिहास, ऑल गर्ल्स बैंड 'रूहानी' की लॉन्चिंग ने मन मोहा

अमृत विचार, लखनऊ

देश का कुशल नेतृत्व करने वाले एक से बढ़कर एक राजनेताओं को देने वाले लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने 101 साल पूरे कर लिए हैं। विश्वविद्यालय के इसी इतिहास को ध्यान में रखते हुए गुरुवार को विवि का स्थापना दिवस समारोह मनाया गया।

इस दौरान समारोह के मंच पर युवाओं ने अपनी असीमित ऊर्जा से नए रिवाजों की शुरुआत की। वहीं कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई लेकिन नृत्य कोई छात्रा नहीं बल्कि बीए तृतीय वर्ष का छात्र आर्या ने पुस्तुत किया। वहीं तबले पर संगत में बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा कृतिका शामिल रही। गिटार पर शशांक थे और गणेश वंदना 'जय देव' व 'देवा श्रीगणेशा' को स्वर आशीष वैभव, प्रशांत, अंशिका, श्रृंखला, श्रेयारानी और श्रेया सिंह ने दिए।

लखनऊ विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आए पूर्व राजनयिक और लविवि के पूर्व छात्र दिनकर पी श्रीवास्तव का सम्मान किया गया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, एलुमिनाई एसोसिशन की अध्यक्ष प्रो. निशि पांडेय और सांस्कृतिकी निदेशक प्रो. राकेश चन्द्रा ने उन्हें सम्मानित किया।

लविवि के स्थापना दिवस पर दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते मुख्य अतिथि दिनकर पी श्रीवास्तव व कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं छात्राएं।

पाकिस्तान ने किया यूएन रिजॉल्यूशन का उल्लंघन

कार्यक्रम में दिनकर श्रीवास्तव ने अपनी किताब 'फॉरगॉटेन कश्मीर : दि अदर साइड ऑफ दि लाइन ऑफ कन्ट्रोल' पर बात की। उन्होंने कहा कि किताब में जिन तथ्यों का समावेश किया गया है, उनके मुताबिक पाकिस्तान जिस यूएन रिजॉल्यूशन की हमेशा दुहाई देता रहा है, हमेशा खुद ही उसका उल्लंघन भी करता है।

विश्वविद्यालय ने दिए एक से बढ़कर एक महान लोग

लखनऊ विश्वविद्यालय ने वैज्ञानिक, राजनेता, नौकरशाह जैसे तमाम विधाओं के बड़े नाम दिए। फिर चाहे पूर्व राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा हों या सुरजीत सिंह बरनाला जैसे कद्दावर राजनीतिज्ञ। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी हों या यूपी के डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा। ये बातें विश्वविद्यालय के पार्क में खड़े होकर वरिष्ठ शिक्षक डॉ नीरज जैन ने स्थापना दिवस समारोह के मौके पर छात्र-छात्राओं से कही। बता दें कि विश्वविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक डॉक्टर नीरज जैन ने वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में जगह बनाई है। इस बाबत वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स यूके ने प्रमाण पत्र जारी किया है। डॉक्टर नीरज जैन एक मात्रा ऐसे छात्र नेता रहे हैं, जिन्होंने लविवि से पढ़ाई की। वे छात्रसंघ के अध्यक्ष भी रहे। लविवि में बतौर शिक्षक जुड़े और अब शिक्षक संघ के अध्यक्ष हैं। वह 1975 में लखनऊ विश्वविद्यालय में बतौर छात्र जुड़े थे।

सबकी रूह में उतरे 'रूहानी' के सुर

छात्राओं द्वारा बनाया गया बैंड 'रूहानी' पहली बार मंच पर था। बैंड में तबले पर कृतिका, सिंथेसाइजर पर वैभवी, गिटार पर इशिका खन्ना व आकांक्षा, मैंडोलिन पर इशिका, हारमोनियम पर सीमांती बी और वोकलिस्ट बी स्नेहा चौटाला, स्नेहा पांडेय, प्राजक्ता, श्रुति, सृष्टि। बैंड ने 'ये रातें ये मौसम नदी का किनारा', 'ओ रे पिया', 'मस्त मलंग' जैसे गीत प्रस्तुत किए।

उत्साहित दिखे छात्र: सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान छात्रों ने एक से बढ़कर एक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। वहीं छात्राओं ने अपनी प्रस्तुति से साबित कर दिया कि वे किसी से कम नहीं हैं। छात्राओं ने फिल्मी गीतों पर जमकर नृत्य किया। इसके साथ ही एक के बाद एक कई कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर खुब तालियां बटोरीं। स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम की लोगों ने जमकर सराहना की।

जयश्री राम और हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजा मालवीय

गुरुवार की शाम को लखनऊ विश्वविद्यालय का मालवीय सभागार जय श्री राम, हर हर महादेव, जय माता दी के जयकारों से गूंज उठा। दरअसल विश्वविद्यालय के 101वें स्थापना दिवस के मौके पर मालवीय सभागार में कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जा रही थी। इस दौरान छात्र खुशी में शांत होने का नाम नहीं ले रहे थे, ऐसे में विश्वविद्यालय की पूर्व प्रॉक्टर प्रोफेसर निशी पाण्डेय ने छात्रों को मौका देते हुए कहा कि खुब आवाज में जो बोलना है बोल लीजिए जिसके बाद छात्रों ने अपनी हुंकार भरी। किसी तरह से छात्र जब शांत हुए तो उसके बाद छात्र-छात्राओं की तैयार किए गये खास कार्यक्रम रूहानी बैंड की प्रस्तुति दी गयी जिसकी लोगों ने जमकर सराहाना की। इस बैंड ने अपने कार्यक्रम से सबको चौंका दिया।

स्थापना दिवस पर मालवीय सभागार में मौजूद छात्राएं। फोटो : अमृत विचार

बीए आनर्स तृतीय व पांचवे सेमेस्टर की परीक्षाएं सोमवार से

29 नवंबर को सोशल प्रॉब्लम इन इंडिया, 30 नवंबर को इंटरनेशनल सोशल वर्क, एक दिसंबर को जी .फिलॉसफी फॉर सोशल वर्क, दो दिसंबर को सोशल मूवमेंट एंड सोशल डेवलपमेंट की परीक्षा सुबह 9 से 10 बजे तक होगी। वहीं पांचवे सेमेस्टर सोशल वेलफेयर एडमिनिस्ट्रेशन की परीक्षा भी होगी जिसमें 30 नवंबर को सोशल वर्क रिसर्च एंड स्टैटिस्टिक्स, एक दिसंबर- सोशल एक्शन, दो दिसंबर-कम्युनिटी प्रैक्टिसिपेशन एंड फील्ड विजिट एक्सप्लोजर विजिट की परीक्षा सुबह 10.30 से 11.30 बजे तक होगी। परीक्षा के लिए छात्रों को सभी जरूरी गाइड लाइन दे दी गई है। अगर किसी प्रकार की उन्हें कोई समस्या हो तो वे अपने विभाग से संपर्क कर सकते हैं।

तैयारियां पूरी, यूजी पीजी की परीक्षाएं 29 से

लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक और परास्नातक तीसरे सेमेस्टर की मिड टर्म परीक्षाओं की तैयारियां पूरी कर ली गयी है। गुरुवार को परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि 29 नवंबर से दो दिसंबर तक परीक्षाएं चलेंगी। परीक्षा का समय सुबह 9 से 10 बजे तक रहेगा। छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in के माध्यम से विस्तृत कार्यक्रम देख सकते हैं। गौरतलब है कि अभी तक 27 नवंबर से परीक्षाएं शुरू होनी थीं, लेकिन शुरू नहीं हो पाएंगी। अब ये परीक्षाएं सोमवार से शुरू होंगी। परीक्षा से संबंधित सभी जानकारी विद्यार्थियों को दी जा चुकी है।

एमएससीसीजेए-तृतीय सेमेस्टर परीक्षा 29 से

29 नवंबर को विक्टिमोलॉजी एंड विक्टम असिस्टेंट, 30 नवंबर को क्रिमिनल साइकोलॉजी, ह्यूमन राइट इवैल्यूएशन कॉन्सेप्ट एंड कंसर्न, एक दिसंबर को फॉरेंसिक साइकोलॉजी, विक्टिमाइजेशन ऑफ व्यूनेरेबल ग्रुप्स की परीक्षा होगी। परीक्षा का समय सुबह 9 बजे से 10 बजे तक निर्धारित किया गया है।

मास्टर ऑफ पापुलेशन स्टडीज-तृतीय सेमेस्टर परीक्षा

29 नवंबर को पापुलेशन एंड एनवायरनमेंट, 30 नवंबर- स्टेटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर एप्लीकेशन, एक दिसंबर-वायलेंस अगेंस्ट वूमेन इन इंडिया, अर्बन एंड रीजनल प्लानिंग इन इंडिया, डिजास्टर मैनेजमेंट, दो दिसंबर- हेल्थ, हाइजीन एंड सैनिटेशन की परीक्षा का समय सुबह 9 से 10 बजे निर्धारित है।

मास्टर आफ पब्लिक हेल्थ (सीएम) की परीक्षा सोमवार से

29 नवंबर को हेल्थ प्लानिंग एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट, 30 नवंबर को डेमोग्राफी, फैमिली वेलफेयर एंड फैमिली प्लानिंग, एथिकल एंड लीगल इश्यूज इन पब्लिक हेल्थ, एक दिसंबर को स्कूल अर्बन एंड ऑक्यूपेशनल हेल्थ, ह्यूमन बिहेवियर हेल्थ, हैप्पीनेस एंड वेलनेस, दो दिसंबर को ह्यूमन एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट विषय की परीक्षा होगी। परीक्षा से संबंधित कोई समस्या है तो उसके बारे में पहले ही विभाग से संपर्क कर सकते हैं। छात्रों को हर संभव सहायता की जाएगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय का 64वां दीक्षांत समारोह आज

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शुक्रवार को 64वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाएगा। वहीं जिन मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडल दिए जा रहे हैं, उनमें कोई विलक्षण प्रतिभा का धनी है तो कोई गुदड़ी का लाल। किसी ने कोविड की दुश्वारियों को दरकिनार करते हुए खुद का मुकाम बनाया तो किसी ने आर्थिक संकट से उबरकर सफलता हासिल की। इकरा रिजवान वारसी, चांसलर्स ब्रॉन्ज मेडल, अभिनव कुमार वर्मा, चांसलर्स ब्रॉन्ज मेडल, कुलदीप कुमार पटेल, चांसलर्स ब्रॉन्ज मेडल, विनय कुमार सिंह, चांसलर्स ब्रॉन्ज मेडल प्रदान किए जायेंगे।

LU celebrates 101st Foundation Day

Lucknow (PNS): Lucknow University celebrated its 101st Foundation Day at Malviya Hall on Thursday. LU alumnus Prof Dinkar P Srivastava, a former Indian Foreign Services officer, was felicitated on the occasion.

Srivastava spoke about his latest book titled 'The Forgotten Kashmir- The Other side of the Line of Control' at the function. He pointed out how the issue of plebiscite was raised thrice and on all the three occasions, it was Pakistan that withdrew. "Pakistan did not have an equivalent of Article 373 and in terms of POK (Pakistan Occupied Kashmir) and people had no autonomy. For years together, they did not have any elections," he said.

Srivastava also spoke about how Pakistan used terrorism as a part of its state policy and in terms of being cheated and forgotten, it was Pakistan, and not India, that forgot Kashmir. He also spoke about the Karachi agreement and said it was signed by people who subsequently denied it, and the whole 'think about its legitimacy' was questionable.

He also pointed out that through the multiple positions taken up by Pakistan and the UK, that have been pushing the issue of plebiscite, they themselves have been taking a hypocritical position because in case of other countries, they did not take this stand, but they wanted it in India.

He was particularly happy that his book was being released at LU with which he has had a historical connection, since his grandfather had been the dean of Law and he himself studied Political Science here in 1976. He has also served as the ambassador to Czech Republic, Iran, Libya and Pakistan. Sanskriti director Rakesh Chandra said the university has always been felicitating distinguished alumni and Srivastava was felicitated for his academic excellence.